करेंट अफेयर्स

2024

अनुक्रम

उत्तराखंड **3**

- सरकारी विभागों में शिकायत दर्ज करने के तरीके में बदलाव 3
- भूस्खलन से बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध 3
- जागर लोक संस्कृति उत्सव 4
- पितृ छाया एक्सप्रेस 5
- राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के नए निदेशक की नियुक्ति की आलोचना 5
- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत कोष को मंज़ूरी दी 6
- माँ नंदा-सुनंदा महोत्सव 6
- धार्मिक उद्देश्यों के लिये हेलीकॉप्टर सेवा कर में 5% की कटौती 7
- देहरादून का घंटाघर 7
- कथित लव जिहाद और भूमि जिहाद पर सरकार की कार्रवाई 8
- सीएम धामी ने प्रमुख सब्सिडी और परियोजनाओं की घोषणा की 9
- उत्तराखंड में 42 वन प्रयोगशालाओं की स्थापना 10
- उत्तराखंड में दीन दयाल उपाध्याय होमस्टे विकास योजना 11
- उत्तराखंड में भूस्खलन का प्रभाव 11
- धन्यवाद प्रकृति 12

नोट :

उत्तराखंड

सरकारी विभागों में शिकायत दर्ज करने के तरीके में बदलाव

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में फर्जी शिकायतों को रोकने के लिये उत्तराखंड सरकार ने शिकायत दर्ज कराते समय हलफनामा प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया है।

मुख्य बिंदु:

- **गलत विवरण से जुड़ी समस्या:** गलत पते और फोन नंबर वाली शिकायतें पाई गई हैं, जिसके कारण नई आवश्यकता लागू की गई है।
- **शपथ-पत्र की आवश्यकता:** फर्जी प्रस्तुतियों को रोकने के लिये अब शिकायतों के साथ एक शपथ-पत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिये।
- **उद्देश्य:** हलफनामे की आवश्यकता का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सटीक और वैध शिकायतें दर्ज की जाएँ तथा उनका उचित तरीके से निपटारा किया जाए।
- **कारण:** यह कदम झूठी शिकायतों की समस्या का समाधान करता है, जिससे संसाधनों और समय का अपव्यय होता है तथा यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि केवल वास्तविक शिकायतों पर ही कार्यवाही की जाए।

भूस्खलन से बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में भूस्खलन के कारण भारत-चीन सीमा को जोड़ने वाला **ज्योतिर्मठ-मलारी मार्ग** तथा **कर्णप्रयाग-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया।**

मुख्य बिंदु

- भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से **पागलनाला, पातालगंगा और नंदप्रयाग** में राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है।
- **ज्योतिर्मठ-मलारी मार्ग: नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क** के भीतर एक ऊँची पहाड़ी सड़क, जो ज्योतिर्मठ (1,934 मीटर) और मलारी (3,033 मीटर) को जोड़ती है।
- **धौलीगंगा नदी** के किनारे अत्यधिक ढलान और कई घुमावदार मोड़ हैं, जो सर्दियों में बर्फबारी एवं नदी के बाढ़ के कारण समय-समय पर क्षति का सामना करते हैं।
- **धौलीगंगा:** इसका उद्गम **वसुधारा ताल** से होता है, जो संभवत: उत्तराखंड की सबसे बड़ी हिमनद झील है।
- धौलीगंगा **अलकनंदा** की महत्त्वपूर्ण सहायक नदियों में से एक है, अन्य सहायक नदियाँ नंदाकिनी, पिंडर, मंदाकिनी और भागीरथी हैं।
- यह **विष्णुप्रयाग** में अलकनंदा में मिल जाती है।
- **नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान:** भारत के उत्तराखंड में **नंदा देवी (7,816 मीटर)** की चोटी के आस-पास स्थित; इसमें **नंदा देवी अभयारण्य** शामिल है, जो चोटियों से घिरा एक हिमनद बेसिन है और **ऋषि गंगा** द्वारा अपवाहित है।
- **वर्ष 1982 में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान** के रूप में स्थापित, **इसका नाम बदलकर नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान कर दिया गया; वर्ष 1988 में इसे UNESCO विश्व धरोहर स्थल** के रूप में अंकित किया गया।

भूस्खलन

- **भूस्खलन गुरुत्वाकर्षण** के कारण **ढलान से नीचे चट्टान, धरती या मलबे** की गति है, जो अक्सर **भारी बारिश, भूकंप** या ढलान की अस्थिरता जैसे कारकों से शुरू होती है। इसके परिणामस्वरूप **सामग्री का विस्थापन** होता है, जिससे महत्त्वपूर्ण क्षति और विनाश हो सकता है।

जागर लोक संस्कृति उत्सव

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में सरकार ने **जागर लोक संस्कृति उत्सव में** राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति का जश्न मनाया और **सच्चिदानंद सेमवाल** की पुस्तक **उत्तराखंड का लोक पुत्र प्रीतम भरतवाण** का विमोचन किया तथा **उत्तराखंड की लोक संस्कृति के ब्रांड एंबेसडर के रूप में प्रीतम भरतवाण** की प्रशंसा की।

मुख्य बिंदु:

- **जागर लोक संस्कृति उत्सव:** यह उत्तराखंड की लोक संस्कृति और परंपराओं का उत्सव है।
- **जागर:** यह **शमनवाद** का एक हिंदू रूप है जो उत्तराखंड के **गढ़वाल और कुमाऊँ** दोनों क्षेत्रों में प्रचलित है।
  - **शमनवाद** एक वैश्विक आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसमें एक शमन आत्मिक विश्व के साथ बातचीत करने, उपचार करने, आत्माओं के साथ संवाद करने और आत्माओं का मार्गदर्शन करने के लिये चेतना की परिवर्तित अवस्था में प्रवेश करता है।
  - एक अनुष्ठान के रूप में जागर एक तरीका है जिसमें देवताओं और स्थानीय देवताओं को उनकी सुप्त अवस्था से जगाया जाता है तथा उनसे अनुग्रह या उपाय मांगे जाते हैं।
- **प्रीतम भरतवाण:** वे उत्तराखंड की पारंपरिक संस्कृति और लोक कलाओं को बढ़ावा देने के लिये जाने जाते हैं।
- **सरकार द्वारा पुनरुद्धार और मान्यता प्रयास:**
  - पारंपरिक मेलों को उनके मूल स्वरूप में पुनरुद्धार करने और कलाकारों को बेहतर मंच प्रदान करने के प्रयास चल रहे हैं।
  - **जागर गायन शैली** को मान्यता दिलाने के लिये पहल की जा रही है।
  - गुरु-शिष्य परंपरा और कला दीर्घाओं के माध्यम से लोक कला एवं संस्कृति से संबंधित लिपियों के संरक्षण तथा प्रकाशन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

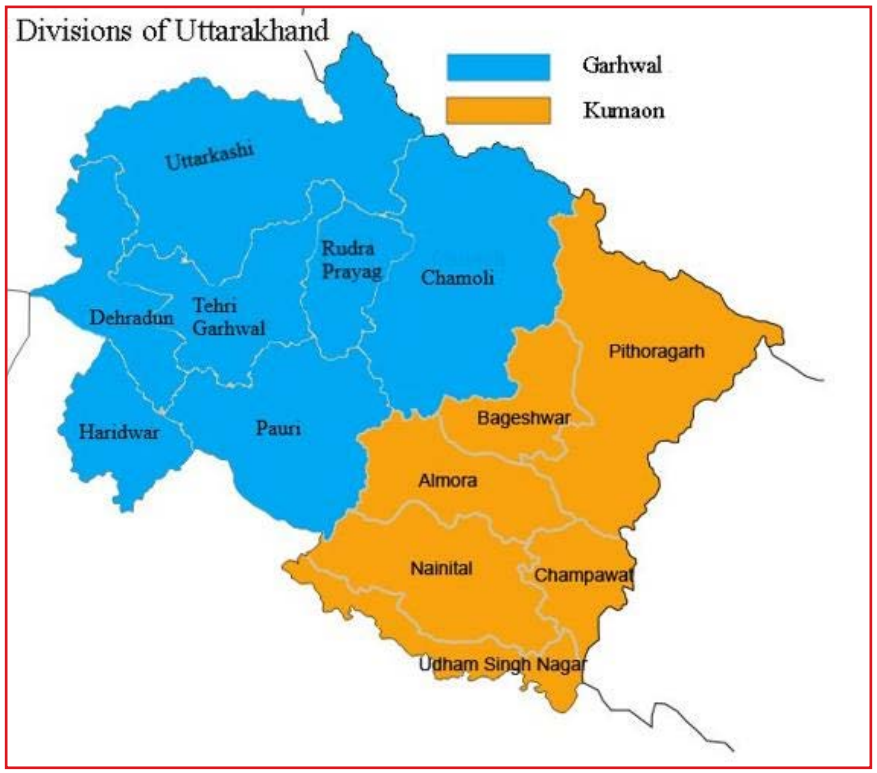

पितृ छाया एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने मंदिरों के दर्शन के लिये मुंबई से उत्तराखंड तक एक विशेष ट्रेन चलाने की योजना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **पितृ छाया एक्सप्रेस:** यह ट्रेन पूर्वजों के सम्मान के लिये समर्पित है, जो **हरिद्वार में तर्पण, ऋषिकेश, पंच प्रयाग और बद्रीनाथ में ब्रह्म कपाल** जैसे महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थलों को कवर करती है।
- यह श्राद्ध (पितृ पक्ष) अवधि के दौरान पूर्वजों को "तर्पण" करने की हिंदू परंपरा से मेल खाता है।

नोट: मानसखंड एक्सप्रेस एक और ट्रेन है जो जून 2024 में शुरू हुई है, जो उत्तराखंड के लोकप्रिय स्थलों को कवर करती है, जिसमें ट्रेन यात्रा, भोजन, राज्य के भीतर सड़क यात्रा, दर्शनीय स्थल एवं होटल या होमस्टे में आवास शामिल हैं।

- **कवर किये गए गंतव्य:** पुनागिरी मंदिर, नानकमत्ता गुरुद्वारा, चंपावत में चाय बागान, हाट कालिका मंदिर, पाताल भुवनेश्वर मंदिर, जागेश्वर मंदिर, गोलू देवता मंदिर, **कैंची धाम**, कसार देवी मंदिर, सूर्य मंदिर कटारमल और **नैना देवी मंदिर**।

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के नए निदेशक की नियुक्ति की आलोचना

चर्चा में क्यों ?

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में **राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक** के रूप में एक वन अधिकारी (IFS) की नियुक्ति के लिये **उत्तराखंड के मुख्यमंत्री** की आलोचना की।

मुख्य बिंदु

- **नियुक्ति विवाद: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री** द्वारा **भारतीय वन सेवा (IFS)** अधिकारी को **राजाजी राष्ट्रीय उद्यान** का निदेशक **नियुक्त करने के फैसले** से विवाद उत्पन्न हो गया है, क्योंकि कथित अवैध गतिविधियों के लिये **केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (Central Bureau of Investigation- CBI)** और **प्रवर्तन निदेशालय (Directorate of Enforcement- ED)** द्वारा उनके खिलाफ जाँच चल रही है।
- **अधिकारियों की अनदेखी:** आरोपों से पता चलता है कि मुख्यमंत्री ने **वन मंत्री और मुख्य सचिव** की आपत्तियों को नज़रअंदाज़ कर दिया, जिन्होंने पिछले कानूनी मुद्दों में अधिकारी की संलिप्तता के कारण नियुक्ति पर पुनर्विचार की सिफारिश की थी।
- **सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियां:** इस बात पर ज़ोर दिया गया कि ऐसे निर्णय एकतरफा नहीं लिये जाने चाहिये।
- न्यायालय ने **सार्वजनिक विश्वास सिद्धांत** के महत्त्व पर प्रकाश डाला तथा इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार की भूमिका **प्राकृतिक संसाधनों की ज़िम्मेदारीपूर्वक सुरक्षा करना** है, जिससे इस मामले के अंतर्गत समझौता किया गया।

राजाजी राष्ट्रीय

- **अवस्थिति:** हरिद्वार (उत्तराखंड), शिवालिक पर्वतमाला की तलहटी में 820 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।
- **पृष्ठभूमि:** उत्तराखंड के तीन अभयारण्यों अर्थात् **राजाजी, मोतीचूर और चीला** को एक बड़े संरक्षित क्षेत्र में मिला दिया गया तथा वर्ष 1983 में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी **सी. राजगोपालाचारी** के नाम पर इसका नाम **राजाजी राष्ट्रीय उद्यान** रखा गया; जिन्हें लोकप्रिय रूप से "राजाजी" के नाम से जाना जाता था।
- **विशेषताएँ:**
  - यह क्षेत्र **एशियाई हाथियों** के निवास स्थान की उत्तर पश्चिमी सीमा है।
  - वन प्रकारों में साल वन, नदी किनारे वन, चौड़ी पत्ती वाले मिश्रित वन, झाड़ीदार भूमि और घास वाले वन शामिल हैं।
  - इसमें **स्तनधारियों की 23 प्रजातियाँ और पक्षियों की 315 प्रजातियाँ** जैसे- **हाथी, बाघ, तेंदुएँ, हिरण एवं घोरल** आदि पाई जाती हैं।

- इसे वर्ष 2015 में **बाघ अभयारण्य** घोषित किया गया था
- सर्दियों में यह **वन गुज्जरों** का आवास बन जाता है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत कोष को मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने **केदारनाथ क्षेत्र** में **अत्यधिक वर्षा से प्रभावित व्यापारियों की सहायता** के लिये **मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष** से विशेष सहायता को मंज़ूरी दी।

मुख्य बिंदु

- यह धनराशि अत्यधिक वर्षा के कारण **लिनचौली से सोनप्रयाग** तक पैदल और मोटर मार्गों को हुए नुकसान से प्रभावित व्यापारियों को मुआवज़ा देने के लिये आवंटित की गई है
- स्वीकृत राशि का उपयोग विशेष रूप से **31 जुलाई** को हुई क्षति से प्रभावित लोगों के लिये किया जाएगा।
- भुगतान **ई-बैंकिंग अथवा डिमांड ड्राफ्ट** के माध्यम से किया जाएगा तथा लाभार्थियों का विवरण ज़िला स्तर पर रखा जाएगा।
- **रुद्रप्रयाग ज़िले** के आपदा प्रभावित क्षेत्रों से लगभग 17,000 लोगों को निकाला गया।

मुख्यमंत्री राहत कोष (CM Relief Fund- CMRF)

- मुख्यमंत्री राहत कोष (CMRF) प्राकृतिक आपदाओं जैसे- **बाढ़, सूखा, भूकंप** आदि या किसी अन्य समान आपदाओं से प्रभावित पात्र परिवारों और व्यक्तियों को राहत प्रदान करने के लिये एक आपातकालीन सहायता योजना है।

माँ नंदा-सुनंदा महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने **नैनीताल** में **माँ नंदा-सुनंदा महोत्सव, 2024** का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया और लोगों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में महोत्सव की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

- **माँ नंदा-सुनंदा महोत्सव**
  - प्रतिवर्ष सितंबर में उत्तराखंड के **कुमाऊँ क्षेत्र में नंदाष्टमी त्योहार** के दौरान देवी **नंदा और सुनंदा** की याद में मनाया जाता है।
    - **अल्मोड़ा, नैनीताल, कोट अलोंग, भोवाली और जोहार** जैसे स्थानों में देखा गया।
- मुख्यमंत्री ने अल्पाइन घास के मैदानों को हिमालय की '**अनमोल विरासत**' बताते हुए इनके संरक्षण के लिये **2 सितंबर** को **बुग्याल संरक्षण दिवस** मनाने की घोषणा की।

बुग्याल

- उत्तराखंड में उच्च ऊँचाई वाले अल्पाइन घास के मैदान स्थित हैं, जिन्हें "बुग्याल" के नाम से जाना जाता है।
  - ये घास के मैदान 3,000 मीटर (10,000 फीट) से अधिक ऊँचाई पर स्थित हैं और अपनी समृद्ध वनस्पतियों के लिये जाने जाते हैं।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:** बुग्याल क्षेत्र की जैवविविधता के लिये महत्त्वपूर्ण हैं, जो विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों को पोषण देते हैं।
  - वे पशुओं के लिये चारागाह के रूप में काम करते हैं और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- **उत्तराखंड के लोकप्रिय बुग्याल**
  - **दयारा बुग्याल:** अपने विशाल घास के मैदानों और आश्चर्यजनक दृश्यों के लिये जाना जाता है।
  - **बेदनी बुग्याल:** यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ट्रैकिंग स्थल के रूप में प्रसिद्ध है।
  - **औली बुग्याल:** अपने मनोरम दृश्यों और जैवविविधता के लिये प्रसिद्ध, औली **नंदा देवी, कामेट एवं दूनागिरी** की विशाल बर्फीली चोटियों के बीच स्थित है।

धार्मिक उद्देश्यों के लिये हेलीकॉप्टर सेवा कर में 5% की कटौती

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में 54वीं **वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Services Tax- GST)** परिषद की बैठक में उत्तराखंड के वित्त मंत्री ने घोषणा की कि तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिये साझा आधार पर हेलीकॉप्टर सेवाओं पर 5% कर लगाया जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- 54वीं GST परिषद की बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री ने की और इसमें राज्य वित्त मंत्रियों ने भाग लिया।
- **केदारनाथ और बद्रीनाथ** जैसे धार्मिक उद्देश्यों के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं पर GST 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है।
- **वर्तमान GST दरें:**
  - **घरेलू यात्री परिवहन:** केवल इनपुट सेवाओं पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के साथ 5% GST (माल पर कोई ITC नहीं)।
  - **अंतर्राष्ट्रीय चार्टर उड़ानें:** शून्य-रेटेड अर्थात् इस पर कोई GST लागू नहीं है क्योंकि इसे सेवाओं के निर्यात के रूप में माना जाता है।
  - **गैर-यात्री सेवाएँ: सामान्यत:** 18% GST, अन्य गैर-यात्री हवाई सेवाओं के समान।

वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Services Tax- GST)

- वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Services Tax- GST) घरेलू उपभोग के लिये बेची जाने वाली अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर लगाया जाने वाला मूल्य वर्द्धित कर है। GST का भुगतान उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है, लेकिन इसे वस्तुओं और सेवाओं को बेचने वाले व्यवसायों द्वारा सरकार को भेजा जाता है।
- **आपूर्ति पक्ष पर लागू:** GST वस्तुओं के विनिर्माण या वस्तुओं की बिक्री या सेवाओं के प्रावधान पर पुरानी अवधारणा के विपरीत वस्तुओं या सेवाओं की 'आपूर्ति' पर लागू होता है।
- **गंतव्य आधारित कराधान:** GST मूल-आधारित कराधान के वर्तमान सिद्धांत के विपरीत गंतव्य-आधारित उपभोग कराधान के सिद्धांत पर आधारित है।
- **दोहरा GST:** यह एक दोहरा GST है जिसमें केंद्र और राज्य एक ही आधार पर एक साथ कर लगाते हैं। केंद्र द्वारा लगाया जाने वाला GST केंद्रीय GST (CGST) कहलाता है तथा राज्यों द्वारा लगाया जाने वाला GST राज्य GST (SGST) कहलाता है।
  - वस्तुओं या सेवाओं के आयात को अंतर-राज्यीय आपूर्ति माना जाएगा तथा उस पर लागू सीमा शुल्क के अतिरिक्त एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (Integrated Goods & Services Tax- IGST) भी लगेगा।
- **GST दरें आपसी सहमति से तय की जाएंगी:** CGST, SGST और IGST केंद्र एवं राज्यों द्वारा आपसी सहमति से तय की गई दरों पर लगाए जाते हैं। GST परिषद की सिफारिश पर दरें अधिसूचित की जाती हैं।

देहरादून का घंटाघर

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **देहरादून के प्रतिष्ठित घंटाघर की** टिक-टिक बंद हो गई, क्योंकि चोरों ने इसके ताँबे के अंदरूनी हिस्से को तोड़ दिया।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
  - इसका निर्माण 1940 के दशक में हुआ था तथा इसका उद्घाटन वर्ष 1953 में **श्रीमती सरोजिनी नायडू ने किया था।**
  - लाला शेर सिंह द्वारा अपने पिता लाला बलबीर सिंह की स्मृति में बनवाया गया।
  - यह उन **स्वतंत्रता सेनानियों** की याद दिलाता है जिन्होंने **भारत की स्वतंत्रता** के लिये अपने प्राणों का बलिदान दिया।

- **वास्तुशिल्पीय डिज़ाइन:**
  - **षट्कोणीय संरचना** जिसके छहों पक्षों पर एक-एक घड़ी है।
  - यह टावर लगभग **85 मीटर** ऊँचा है, जिसकी घंटियाँ पूरे शहर में गूँजती थीं।
  - घंटाघर **शहर के विकास का प्रतीक है** और देहरादून के लिये गौरव का स्मारक है।

कथित लव जिहाद और भूमि जिहाद पर सरकार की कार्रवाई

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने राज्य में **जनसांख्यिकीय परिवर्तन** पर बढ़ती चिंताओं के बीच **लव जिहाद, भूमि जिहाद** और **ज़बरन धर्मांतरण** के विरुद्ध कार्रवाई शुरू की है।

मुख्य बिंदु

- जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर चिंता व्यक्त की गई, विशेष रूप से **पुरुला, धारचूला और नंदनगर** जैसे क्षेत्रों में।
- **उत्तराखंड की जनसंख्या:** लगभग 11.1 मिलियन, जिसमें **हिंदू धर्म** प्रमुख धर्म (82.97%) है, उसके बाद इस्लाम (13.95%) और ईसाई धर्म (0.37%) हैं, जैसा कि **2011 की जनगणना** तथा 2023 के अनुमानों द्वारा पता चलता है

- जबकि राज्य में शहरी प्रवास और विकास हो रहा है, जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को लेकर चिंताओं ने तनाव बढ़ा दिया है, विशेष रूप से धार्मिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में।

- **उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2018**
  - इस कानून के तहत धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों को यह घोषित करना आवश्यक है कि उनका धर्म परिवर्तन ज़ोर जबरदस्ती, दबाव या धोखाधड़ी के माध्यम से नहीं किया गया है
    - यह प्राधिकारियों को उन विवाहों को अमान्य घोषित करने का अधिकार भी देता है, जो केवल लड़की को एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तित करने के लिये किये गए हों।
  - **कड़े प्रावधान:** यह अधिनियम गैरकानूनी धार्मिक रूपांतरण को संज्ञेय और गैर-ज़मानती अपराध बनाता है तथा बल, लालच या धोखाधड़ी के माध्यम से धर्मांतरण को अपराध मानता है।
  - **अधिक सज़ा:** अवैध धर्म परिवर्तन के लिये अपराधियों को न्यूनतम 3 वर्ष से अधिकतम 10 वर्ष तक की जेल की सज़ा हो सकती है।
  - **उच्च जुर्माना:** 50,000 रुपए का अनिवार्य जुर्माना लगाया जाता है तथा संभावित रूप से अपराधी को पीड़ित को मुआवज़े के रूप में 5 लाख रुपए तक का भुगतान करना पड़ता है।

सीएम धामी ने प्रमुख सब्सिडी और परियोजनाओं की घोषणा की

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने** अपने जन्मदिन पर राज्य के लिये कई पहलों की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- **विकास परियोजनाएँ: उन्होंने बुनियादी ढाँचे** और **सार्वजनिक सेवाओं में सुधार** के उद्देश्य से विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।
- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने **100** और **200 यूनिट** तक **विद्युत उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के लिये 50% सब्सिडी की घोषणा की।**
- **प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के** अंतर्गत **शिकारपुर, रुड़की, हरिद्वार** में **लक्ष्मी आवास योजना** के 101 लाभार्थियों को उनके नए घरों पर कब्ज़ा/सम्पत्ति-पत्र और चाबियाँ सौंपी गईं।
- **जन कल्याणकारी योजनाएँ:** उत्तराखंड के निवासियों को लाभान्वित करने के लिये नई जन कल्याणकारी योजनाएँ शुरू की गईं।
- उन्होंने **प्रधानमंत्री आवास योजना** के तहत विभिन्न क्षेत्रों में GIS सबस्टेशनों और ट्रांसमिशन लाइनों सहित **ADB द्वारा वित्त पोषित पाँच विद्युत परियोजनाओं का उद्घाटन किया।**

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी

- **परिचय:**
  - **प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)** सरकार के मिशन वर्ष 2022 तक सभी के लिये आवास के अंतर्गत आती है, जिसका क्रियान्वयन आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) द्वारा किया जा रहा है।
  - यह समान मासिक किस्तों (EMI) के माध्यम से पुनर्भुगतान के दौरान गृह ऋण की ब्याज दर पर सब्सिडी प्रदान करके शहरी में गरीबों के लिये गृह ऋण को वहनीय बनाता है।
- **लाभार्थी:**
  - यह मिशन झुग्गीवासियों सहित **EWS/LIG** और **MIG श्रेणियों के बीच शहरी आवास की कमी को दूर करता है।**
  - **आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS) के लिये,** जिनकी अधिकतम वार्षिक पारिवारिक आय **3,00,000 रुपए हो।**
  - **निम्न आय समूह (LIG)** जिसकी अधिकतम वार्षिक पारिवारिक आय **6,00,000 रुपए है।**
  - **मध्यम आय समूह (MIG I और II)** जिनकी अधिकतम वार्षिक पारिवारिक आय 18,00,000 रुपए है।
  - लाभार्थी परिवार में पति, पत्नी, अविवाहित पुत्र और/या अविवाहित पुत्रियाँ शामिल होंगी।

उत्तराखंड में 42 वन प्रयोगशालाओं की स्थापना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखंड वन विभाग ने वनों पर **जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की** निगरानी के लिये **42 पारिस्थितिक प्रयोगशालाएँ स्थापित की हैं।**

प्रमुख बिंदु

- **ये प्रयोगशालाएँ रोडोडेंड्रोन** और **ब्रह्मकमल में शीघ्र पुष्पन** तथा **उच्च तापमान से प्रभावित लीची की गुणवत्ता** जैसे परिवर्तनों पर डेटा एकत्र करेंगी।
- ये 'पारिस्थितिक प्रयोगशालाएँ', जिन्हें 'जीवित प्रयोगशालाएँ' भी कहा जाता है, **तराई क्षेत्र से लेकर अल्पाइन घास के मैदानों तक विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों में फैली हुई हैं।**
- उत्तराखंड में **46 विभिन्न प्रकार के वन** हैं, जो वैश्विक जलवायु परिवर्तन अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
- उत्तराखंड में इस वर्ष गर्मियों में तापमान **42 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया है, जिससे देहरादून की और रामनगर लीची** की गुणवत्ता प्रभावित हुई है।
- **रोडोडेंड्रोन: रोडोडेंड्रोन लगभग 1,000 प्रजातियों** वाले फूलदार पौधों की एक प्रजाति है, जो अपने आकर्षक, चमकीले रंग के फूलों के लिये जाने जाते हैं और सजावटी झाड़ियों या छोटे पेड़ों के रूप में लोकप्रिय हैं।
- भारत में **गुलाबी रोडोडेंड्रोन हिमाचल प्रदेश** का राज्य पुष्प है तथा **रोडोडेंड्रोन आर्बोरियम नागालैंड का राज्य पुष्प** और **उत्तराखंड का राज्य वृक्ष** है।
- **स्वास्थ्य लाभ: हृदय, पेचिश, डायरिया, विषहरण, सूजन, बुखार, कब्ज, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा** से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम व उपचार। पत्तियों में प्रभावी **एँटीऑक्सीडेंट गतिविधि होती** है। नई पत्तियों का उपयोग सिरदर्द को कम करने के लिये किया जाता है। इस पौधे की लकड़ी का उपयोग खुखरी के हैंडल, पैक सैडल, उपहार बॉक्स और गनस्टॉक बनाने के लिये किया जा सकता है।
- **ब्रह्मकमल:** यह उत्तराखंड का राज्य पुष्प है।
- **यह जम्मू और कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक हिमालय** के अल्पाइन घास के मैदानों में पाया जाता है तथा भूटान, चीन, नेपाल व पाकिस्तान में **3700 से 4600 मीटर की ऊँचाई पर भी पाया जाता है।**
- पौधे की जड़ों और पुष्प कलियों का उपयोग **ल्यूकोडर्मा, मूत्र संबंधी समस्याओं, हड्डियों के फ्रैक्चर, घाव, हड्डियों में दर्द, खाँसी, सर्दी और पाचन समस्याओं के इलाज के लिये किया जाता है;** पूरे पौधे का उपयोग **हेमट्यूरिया में पशु चिकित्सा के लिये किया जाता है।**
- तवांग में इसके सूखे पाउडर या पेस्ट का उपयोग **त्वचा रोगों के लिये किया जाता है और फूलों की कलियों का उपयोग फोड़े के उपचार के लिये किया जाता है।**

लीची

- **वानस्पतिक वर्गीकरण:** लीची **सैपिंडेसी से संबंधित है** और अपने स्वादिष्ट, रसदार, पारदर्शी बीजपत्र या खाद्य गूदे के लिये जानी जाती है।
- **जलवायु संबंधी आवश्यकताएँ: लीची** उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में पाई जाती है और नम परिस्थितियों को पसंद करती है। यह कम ऊँचाई वाले क्षेत्रों में सबसे अच्छी तरह से बढ़ती है, लगभग 800 मीटर की ऊँचाई तक।
- **मृदा की प्राथमिकता:** लीची की कृषि के लिये उपयुक्त मृदा गहरी, अच्छी जल निकासी वाली, कार्बनिक पदार्थों से भरपूर **दोमट मृदा है।**
- **तापमान संवेदनशीलता: लीची तापमान के प्रति संवेदनशील है। यह गर्मियों में 40.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान** या सर्दियों में शून्य से नीचे के तापमान को सहन नहीं कर पाती है।
- **वर्षा का प्रभाव:** लंबे समय तक वर्षा, विशेषकर **फूल आने के दौरान**, परागण में बाधा उत्पन्न कर सकती है तथा फसल पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

- **भौगोलिक कृषि:** भारत में वाणिज्यिक कृषि पारंपरिक रूप से उत्तर में **हिमालय की तराई में त्रिपुरा से जम्मू-कश्मीर तक और उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के मैदानी इलाकों तक ही सीमित थी।**
  - लेकिन बढ़ती मांग और व्यवहार्यता के कारण इसकी कृषि बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों तक फैल गई है।
  - भारत के लीची उत्पादन में अकेले बिहार का योगदान लगभग 40% है। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल (12%) और झारखंड (10%) का स्थान आता है।
- **वैश्विक उत्पादन: भारत पूरे विश्व में लीची का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जो** चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। अन्य महत्त्वपूर्ण लीची उत्पादक देशों में थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, मेडागास्कर और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

उत्तराखंड में दीन दयाल उपाध्याय होमस्टे विकास योजना

चर्चा में क्यों ?

विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर, 2024) के उपलक्ष्य में, उत्तराखंड सरकार अपने पर्यटन बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने के लिये महत्त्वपूर्ण कदम उठा रही है

मुख्य बिंदु

- राज्य सरकार ने **दीनदयाल उपाध्याय होम स्टे योजना** के तहत **उपलब्ध कमरों की संख्या बढ़ाने की योजना की घोषणा की है,** जिसका उद्देश्य पर्यटकों के लिये किफायती और प्रामाणिक आवास विकल्पों को बढ़ावा देना है।
- **दीन दयाल उपाध्याय गृह निवास विकास योजना:**
  - यह योजना लोकप्रिय और दूरस्थ पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को आकर्षित करने, स्थानीय आवास सुविधाओं को बढ़ाने, स्थानीय निवासियों के लिये रोजगार के अवसर उत्पन्न करने और मकान मालिकों के लिये आय का एक अतिरिक्त स्रोत प्रदान करने के लिये तैयार की गई है।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - इस योजना का प्राथमिक लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों को स्वच्छ और किफायती होम स्टे सुविधाएँ प्रदान करना है।
  - **यह सुविधा यात्रियों को उत्तराखंड की संस्कृति के बारे में जानने** और राज्य के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेने का अनूठा अवसर भी प्रदान करती है ।
- **सब्सिडी और सहायता:**
  - **पहाड़ी क्षेत्रों के लिये:** सरकार ऋण चुकौती के **पहले पाँच वर्षों के लिये 33% या 10 लाख रुपए** (जो भी कम हो) की पूंजी सब्सिडी और ब्याज का 50% या **1.50 लाख रुपए प्रति वर्ष** (जो भी कम हो) की ब्याज सब्सिडी प्रदान करती है।
  - **मैदानी क्षेत्रों के लिये:** पूंजी सब्सिडी **25%** या **7.50 लाख रुपए,** जो भी कम हो, और ब्याज सब्सिडी ऋण चुकौती के पहले पाँच वर्षों के लिये ब्याज का **50% या 1 लाख रुपए प्रति वर्ष, जो भी कम हो, है।**
    - इस योजना का उद्देश्य स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन देते हुए आवास की गुणवत्ता और उपलब्धता को बढ़ाकर उत्तराखंड को अधिक आकर्षक गंतव्य बनाना है।

उत्तराखंड में भूस्खलन का प्रभाव

चर्चा में क्यों ?

चमोली ज़िले में बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-7) को अत्यधिक वर्षा के कारण बार-बार अवरुद्ध हो रहा है, जिससे **भूस्खलन** और **मलबा जमा** हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** ने **उत्तराखंड** में कुछ स्थानों पर **अत्यधिक वर्षा की** भविष्यवाणी की है, जिससे और अधिक व्यवधान उत्पन्न हो सकता है।
- **भूस्खलन:**
  - **भूस्खलन** एक भूवैज्ञानिक घटना है जिसमें ढलान पर चट्टान, मृदा और मलबे का भार नीचे की ओर खिसकता है।

- भूस्खलन **प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों ढलानों** पर हो सकता है, और ये प्राय: **अत्यधिक वर्षा, भूकंप, ज्वालामुखी गतिविधि, मानवीय गतिविधियों (जैसे निर्माण या खनन) और भूजल स्तर में परिवर्तन** जैसे कारकों के संयोजन से उत्पन्न होते हैं।
- भूस्खलन को उनकी गतिशीलता विशेषताओं के आधार पर विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है:
  - **स्खलन/स्लाइड (Slides):** एक विखंडित सतह (Rupture surface) के साथ गति, जिसमें घूर्णी और स्थानांतरणीय स्लाइड शामिल हैं जहाँ दरार वाली सतह घुमावदार होती है, और स्थानान्तरण स्लाइड, सतह समतल होती है।
- **प्रवाह/फ्लो (Flows):** ये मृदा या शैल के ऐसे संचलन हैं जिनमें बड़ी मात्रा में जल भी शामिल होता है, जो इस द्रव्यमान को तरल पदार्थ की तरह प्रवाहित करता है, जैसे कि पृथ्वी का प्रवाह, मलबे का प्रवाह, कीचड़ का प्रवाह।
- **फैलाव/स्प्रेड (Spreads):** ये मृदा या शैल के ऐसे संचलन हैं जिनमें पार्श्व विस्तार और द्रव्यमान का टूटना शामिल होता है। ये आमतौर पर सामग्री के द्रवीकरण या पटल विरूपण के कारण होते हैं।
- **अग्रपात/टॉपल्स (Topples):** ये मृदा या शैल के ऐसे संचलन हैं जिनमें ऊर्ध्वाधर या निकट-ऊर्ध्वाधर भृगु या ढलान से द्रव्यमान का आगे की ओर घूमना और मुक्त रूप से गिरना शामिल होता है।
- **प्रपात/फॉल्स (Falls):** ये मृदा या शैलों के ऐसे संचलन हैं जिनमें ये खड़ी ढलान या भृगु से अलग हो जाते हैं और मुक्त रूप से गिरते हैं तथा लुढ़कते हुए आगे बढ़ते हैं।

धन्यवाद प्रकृति

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **मन की बात** के 114 वें एपिसोड में, प्रधानमंत्री ने **स्वच्छ भारत मिशन** की सफलता पर प्रकाश डाला और पूरे भारत में व्यक्तिगत स्वच्छता प्रयासों की प्रशंसा की।

मुख्य बिंदु

- **उत्तराखंड का झाला गाँव:**
- **उत्तरकाशी के झाला गाँव** के युवाओं ने '**धन्यवाद** प्रकृति ' नाम से एक अभियान शुरू किया है ।
- इस पहल के तहत, ग्रामीणजन **प्रतिदिन दो घंटे** अपने आस-पास की सफाई करते हैं तथा गाँव के बाहर अपशिष्ट का उचित तरीके से निपटान करते हैं।
- प्रधानमंत्री ने अन्य गाँवों और इलाकों से भी इस पहल को अपनाने का आग्रह किया।
- **स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगाँठ:**
- प्रधानमंत्री ने श्रोताओं को याद दिलाया कि **2 अक्तूबर, 2024** को **स्वच्छ भारत मिशन** के **10 वर्ष** पूरे हो जाएंगे।
- उन्होंने कहा कि यह आंदोलन **स्वच्छता के प्रति महात्मा गांधी की आजीवन प्रतिबद्धता** के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है।
- प्रधानमंत्री ने **'वेस्ट टू वेल्थ'** मंत्र के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला, जहाँ अधिक लोग **'न्यूनीकरण (Reduce)', 'पुन: उपयोग (Reuse)' और 'पुनर्चक्रण (Recycle)'** के सिद्धांतों को अपना रहे हैं।

स्वच्छ भारत मिशन (Swachh Bharat Mission- SBM)

- **परिचय:**
  - यह एक विशाल जन आंदोलन है जिसका उद्देश्य **स्वच्छ भारत** बनाना है। हमारे राष्ट्रपिता **महात्मा गांधी** हमेशा स्वच्छता पर ज़ोर देते थे क्योंकि **स्वच्छता से स्वस्थ और समृद्ध जीवन** प्राप्त होता है।
  - इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार **ने 2 अक्तूबर 2014** को स्वच्छ भारत मिशन शुरू करने का निर्णय लिया है। यह मिशन सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को कवर करेगा।
    - मिशन के शहरी घटक का कार्यान्वयन **आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय** द्वारा किया जाएगा, तथा **ग्रामीण घटक का कार्यान्वयन जल शक्ति मंत्रालय** द्वारा किया जाएगा।

✦ ✦ ✦ ✦